

21

卷八

五

५३

三

॥ अथ गणपतस्तुतं नमः शिवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

201

सिद्धिब्रह्मास्त्रं यन्त्रं त्रैलोक्यं

۱۱۱

༡༡༡། །འཇིག་རྟེན་གསུ་གྱི་འདྲེན་པ་མཆོག་གཙོ། །སྤྱི་མཐོང་ཆོས་ཀྱི་ཁྱིམ་ལས་མག་ཡོས་པམ། །སྤྱུལ་པ་རྒྱུ་མས་འགྲོ་གྲུག་འདྲེན་མཛད་པ། །སྤྱན་རས་གཟིགས་དབང་དེ་ལ་
 ཕྱག་མཆོལ་ལོ། །དེ་དེ་དེ་ལྟར་དབང་བསྐྱར་བྱས་པའི་རྒྱལ། །སྤྱན་རས་གཟིགས་དབང་གི་རྒྱུ་རྒྱུ་མཆོད་པ། །ཇི་ལྟར་སྤྱོད་པའི་ལྱེད་པ་རྒྱུ་ལས། །ཐུང་བ་འདི་ནི་བདག་གིས་བཀོད་པར་བཅུ། །འདི་ལྟར་སྤྱན་རས་གཟིགས་
 དབང་ཕྱག་གི་ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་དབང་བསྐྱར་བའི་དོན་གཉིས་དེ། །རྩ་སྤྱོད་ཅིང་མཆོད་པ་དང་དབང་བསྐྱར་བའོ། །དང་པོ་ལ་གཉིས་དེ། །བཀོད་པ་བཅུ་མཇུག་པ། །མཛོད་རྟེན་ལ་བསྐྱོར་པའོ། །དང་པོ་ནི། །མཆོལ་བྱུག་དང་བཅུ་མཇུག་
 ཡས་ལ་ཐང་གྱུ་བའི་མོ་བའི་རྟ་ཐབས་འཁོར་ལྷག་དང་བཅས་པ་བྱིས་པའི་དབུས་སུ། །ཕུང་འདབ་མ་བཅུད་པ་བྱིས་པའི་རྟ་བདག་པ། །འདབ་མ་བའི་ཕྱོགས་མདོག་ །མཆོལ་བའི་མཛོད་ཆོས་ཀྱི། །ཀུན་གྱི་རྟ་ཐབས་
 བྱང་ལྷན། །དབུས་དཀར་པོ་ཆོས་འགྲོད། །ཐམ་ཕྱི་མཆོད། །མཛོད་གཏོར་རྒྱལ་གྱི་ལ་བསྐྱོར། །དབང་བསྐྱར་དཔལ་ལྷན་གཉིས། །ལ་རྒྱུན་མཁུལ་ཆིངས་དང་བཅས་པ་བཅུ་མཇུག་ །ཀུན་གྱི་བདུ་ཅིས་བཀོད་པ་ལྷན་པ་

202

गद्यस्य दण्डाद्विच्छेदः

महामहोपाध्यायः

[illegible]

2	30	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100		

1
 2
 3
 4
 5
 6
 7
 8
 9
 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

[illegible]

གདམས་པ་ལ། མཛོད་ཁྱིད་ཕྱོག་།

103

ਸ੍ਰੀ ਮਹਾਂਤਮਾ ਸ੍ਰੀ ਮਹਾਂਤਮਾ ਸ੍ਰੀ ਮਹਾਂਤਮਾ

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

2	137	10	3	4
1	2	3	4	5
6	7	8	9	10
11	12	13	14	15
16	17	18	19	20
21	22	23	24	25
26	27	28	29	30
31	32	33	34	35
36	37	38	39	40
41	42	43	44	45
46	47	48	49	50
51	52	53	54	55
56	57	58	59	60
61	62	63	64	65
66	67	68	69	70
71	72	73	74	75
76	77	78	79	80
81	82	83	84	85
86	87	88	89	90
91	92	93	94	95
96	97	98	99	100

215

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

मृदावृद्धि। इव-मन्त्रावृत्तः

[illegible]

२	ॐ । ॥ यथा श्रुतं हि सुखं पश्यति श्रुतं हि गोपयन् मर्त्यं दुष्टं पश्यति श्रुतं पश्यति च यत्किंचि । ॥
३	॥ यथा श्रुतं हि सुखं पश्यति श्रुतं हि गोपयन् मर्त्यं दुष्टं पश्यति श्रुतं पश्यति च यत्किंचि । ॥
४	॥ यथा श्रुतं हि सुखं पश्यति श्रुतं हि गोपयन् मर्त्यं दुष्टं पश्यति श्रुतं पश्यति च यत्किंचि । ॥
५	॥ यथा श्रुतं हि सुखं पश्यति श्रुतं हि गोपयन् मर्त्यं दुष्टं पश्यति श्रुतं पश्यति च यत्किंचि । ॥
६	॥ यथा श्रुतं हि सुखं पश्यति श्रुतं हि गोपयन् मर्त्यं दुष्टं पश्यति श्रुतं पश्यति च यत्किंचि । ॥
७	॥ यथा श्रुतं हि सुखं पश्यति श्रुतं हि गोपयन् मर्त्यं दुष्टं पश्यति श्रुतं पश्यति च यत्किंचि । ॥

॥ यथा श्रुतं हि सुखं पश्यति श्रुतं हि गोपयन् मर्त्यं दुष्टं पश्यति श्रुतं पश्यति च यत्किंचि ॥ २३

[illegible]

228

[illegible]

227 वादयस्य दण्डमर्हति विदुः ॥

ལྷོ་བླ་སྒྲིག་པ་རྩུབ་སྐྱོད་ཀྱི་ཆེན་མོ།

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

འཕགས་པ་ཐུན་རལ་ག་ཟིགས་ཀྱི་མཛོད་དྱིལ་ཐུགས་མཛོད་པོ་ཀྱི་ཐུག་ཤིང་གྲུབ་པའི་ནི། དཔལ་ལྷན་སྐྱེ་མཁའ་མཁའ་བཞིན་ཐུང་ཤིང་ཆོག་དང་མཛོད་ཐུ་ཐུན་པར། རྣམ་པའི་ཕྱི་ལོ་དང་ལག་དྲོ་བའི་ཐུ་ཐུན་པར། འཕགས་པ་ཐུན་རལ་ག་ཟིགས་ཀྱི་ཕྱི་ཤིལ་བཟུང་བའ་པའི་འཛིན་པོ་དྲུམ་པར།
 འདིས་ཀྱི་མཛོད་ཆོག་པའི་བཟུང་བའ་ཐུན་པོ་དྲུག་པར་ཐུན་པར་ཐུན་པོ། །དགེ་ལོགས་པར་ཤོལ། །